नवभारत

कॉलेज छात्रों ने शहर में जगाई साइबर जागरूकता

पडोले ने की उत्खनन पर रोक लगाने की मांग

भंडारा, ब्यूरो. बुधवार 7 अगस्त 2024 को जे. एम. पटेल कॉलेज के छात्रों ने साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किए. आज हम टेक्नोलॉजी के युग में जी रहे हैं. आज टेक्नोलॉजी की मदद से सारे काम चुटकियों में हो जाते हैं. इस तकनीक के कई फायदे हैं. लेकिन इन फायदों के साथ-साथ कुछ खतरे भी हैं. और सभी को इन खतरों से आगाह करने के उद्देश्य से जे. एम. पटेल कॉलेज के साइबर योद्धाओं ने शहर के विभिन्न हिस्सों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा की. इस गतिविधि में प्राचार्य डॉ. विकास ढोमने ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया. साइबर योद्धाओं ने कॉलेज से रैली के माध्यम से महात्मा गांधी चौक पर जन जागरूकता पैदा की. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गांधी चौक पर विभिन्न नागरिकों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी. अनेक नागरिकों ने विद्यार्थियों से अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया. बाद में छात्र रैली लेकर बस स्टॉप पर पहुंचे और वहां भी इन छात्रों ने यात्रियों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी. इस मौके पर यात्रियों ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध और खुद को सुरक्षित रखने के बारे में जाना.

साइबर शिक्षा योजना की गई शुरू

साइबर योद्धाओं ने विभिन्न बलिदानों के माध्यम से नागरिकों और उनके परिवारों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने की कसम खाई है. जे. एम. पटेल कॉलेज और विश्व प्रसिद्ध क्विक हिल कंपनी के बीच हस्ताक्षरित एमओयू के तहत साइबर सुरक्षा के लिए साइबर शिक्षा योजना शुरू की गई है. इन सभी गतिविधियों के लिए जे. एम. पटेल कॉलेज प्राचार्य डा. विकास ढोमने ने बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया. साथ ही महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डा. कार्तिक पणिक्कर ने सहायता की. यह पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय में कम्प्यूटर विभाग के प्रोफेसर डा. प्रवीण घोसेकर, डॉ. सबा नसीम, पलाश फेडेवार, प्रियंका शर्मा द्वारा पूरा किया गया. इस जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए फ़रीना शेख के साथ-साथ सभी छात्रों ने कड़ी मेहनत की.

निधन

मुरलीधर पोपटानी

साकोली. गणेश वार्ड निवासी मुरलीधर मोहनदास पोपटानी (75) का निधन हो गया.

स्वच्छता का अभाव

देवरी (त.सं). ग्रामीण क्षेत्रों में बीते महीनों से स्वच्छता अभियान के बुरे हाल है. यहां स्वच्छ भारत अभियान केवल कागजों पर सीमित रह गई है.

Bhandara Edition Edition
Aug 10, 2024 Page No. 2
Powered by: